"समाज को पारम्परिक लैंगिक भूमिकाओं से ऊपर उठना होगा"

रामलाल आनंद कॉलेज की समिति 'अस्मि' द्वारा आयोजित व्याख्यान माला
में जेंडर संवेदीकरण और लैंगिक भूमिकाओं पर
दो दिवसीय शोध पत्र प्रस्तुति और परिचर्चा कार्यक्रम

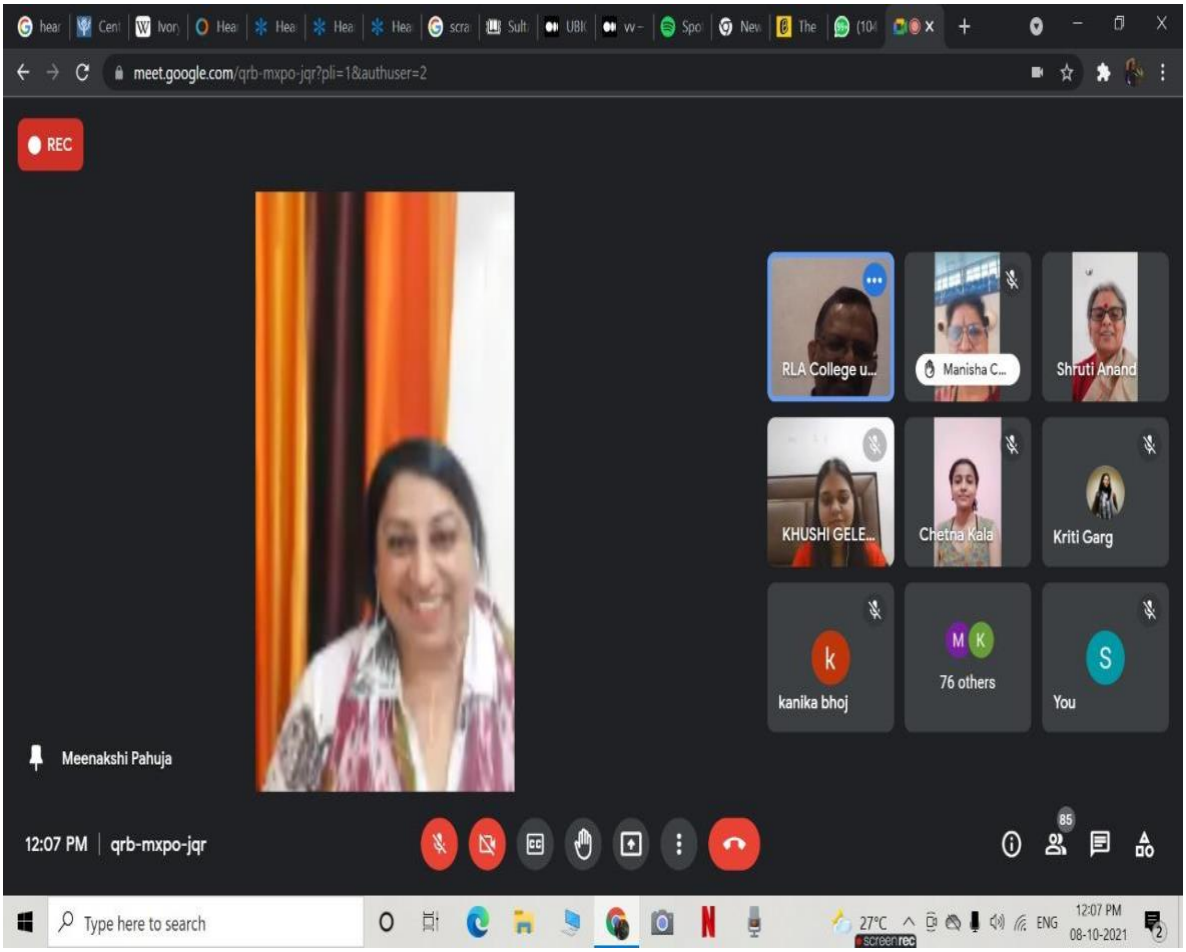
meet.google.com/qrb-mxpo-jqr?pli=1&authuser=2
REC
Meenakshi Pahuja
RLA College u...
Manisha C...
Shruti Anand
KHUSHI GELE...
Chetna Kala
Kriti Garg
kanika bhoj
76 others
You
12:07 PM | qrb-mxpo-jqr
Type here to search
27°C
ENG
12:07 PM
08-10-2021

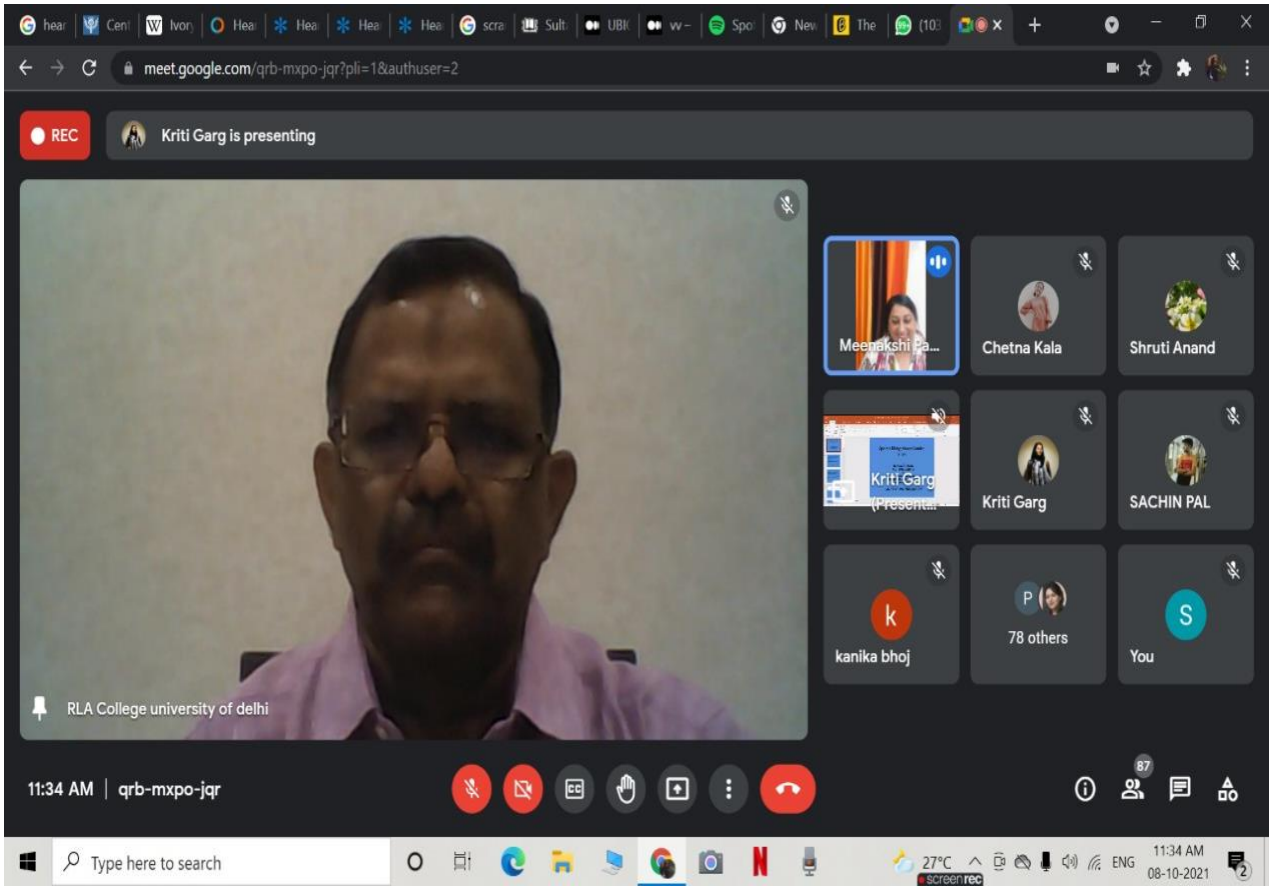
meet.google.com/qrb-mxpo-jqr?pli=1&authuser=2
REC
Kriti Garg is presenting
RLA College university of delhi
Meenakshi Pa...
Chetna Kala
Shruti Anand
Kriti Garg
Kriti Garg
SACHIN PAL
kanika bhoj
78 others
You
11:34 AM | qrb-mxpo-jqr
Type here to search
27°C
ENG
11:34 AM
08-10-2021

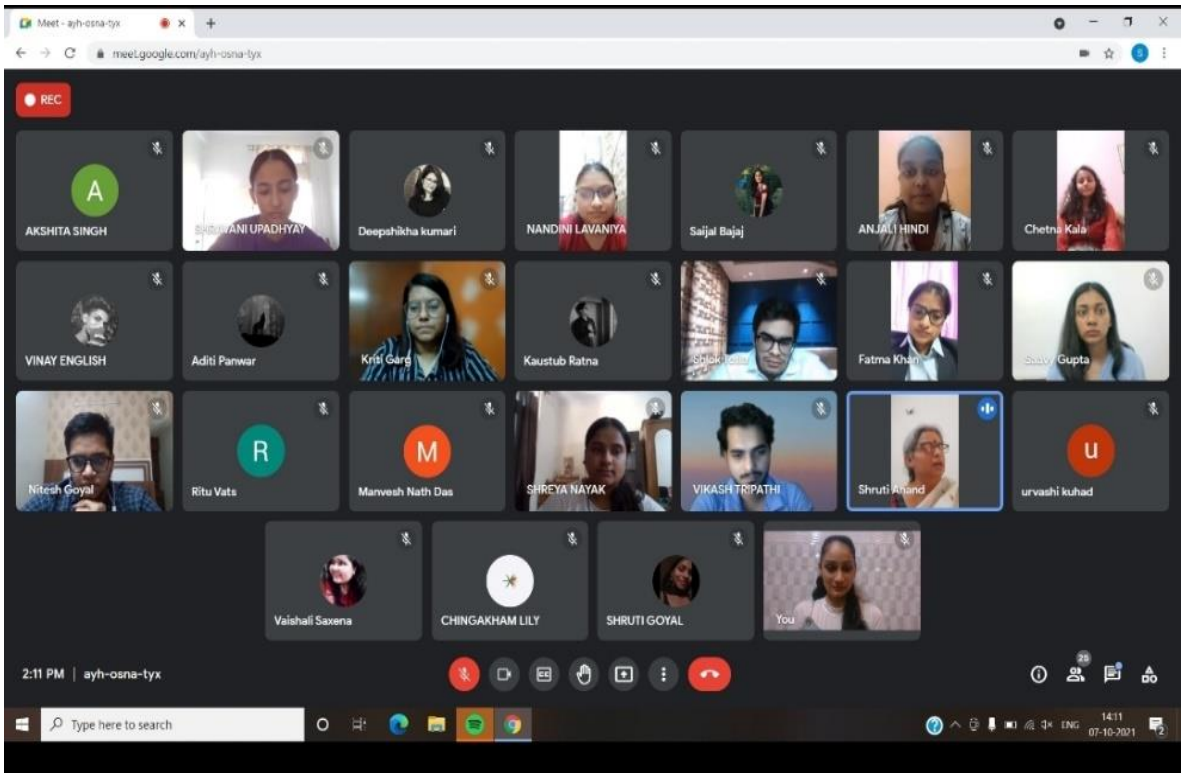

राम लाल आनंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय की 'अस्मि: लैंगिक अस्मिता संवेदीकरण समिति' ने शुक्रवार को "*राइजिंग अबव जेंडर रोल*" के विषय पर 08 अक्टूबर 2021 को एक वेबिनार का आयोजन किया। इस वेबिनार की वक्ता अंतर-राष्ट्रीय 5g और नारी शक्ति पुरुस्कार विजेता डॉ. मीनाक्षी पाहुजा रहीं। वर्तमान समय में डॉ. मीनाक्षी पहुजा लेडी श्री राम महाविद्यालय में फिजिकल एजुकेशन की एसिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। इस वेबिनार से एक दिन पहले o7 अक्टूबर 2021 को'अस्मि' समिति ने पेपर प्रेजेंटेशन का एक कार्यक्रम भी आयोजित किया, जिसका विषय '*कोविड महामारी और लैंगिक भूमिकाओं पर इसका प्रभाव*' था। पारंपरिक लैंगिक भूमिकाओं **में** बदलाव और इस विषय पर समाज में संवेदीकरण पर एक बेहतर समझ विकसित करने के लिए इन दोनों कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था।

वेबिनार में डॉ. मीनाक्षी पहूजा का स्वागत करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राकेश कुमार गुप्ता और अस्मि समिति तथा परिचर्चा की संयोजक डॉ श्रुति आनंद ने भी लैंगिक अस्मिता और सफलता पर अपने विचार साझा किए। प्राचार्य ने समझाया कि किस प्रकार जीवन में सफलता का कोई आसान रास्ता नहीं होता।समाज बदल रहा है, एक व्यक्ति के लिए भले ही वह स्त्री हो या पुरुष आज **ब**हुत से अवसर उपलब्ध हैं जिन्हें उसे लेना आना चाहिए। कार्यक्रम के प्रारंभ में मीनाक्षी पहूजा के स्कार स्विमिंग 2017 की एक वीडियो दिखाई गई। जिसके ज़रिए सबको यह देखने का मौका मिला कि किस प्रकार की चुनौतियों का सामना करने के बाद वो पहली ऐसी भारतीय बनी जिसने स्कार स्विमिंग में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। इसके बाद डॉ. मीनाक्षी पहूजा ने विषय पर अपने विचार रखते हुए, अपने अनुभव, चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं को साझा किया। उन्होंने ओलंपिक में महिलाओं की उपस्थिति पर बात की और कहा कि आज के समय में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी ने खेल जगत को नए मुकामों पर पहुंचाया है। ओलंपिक खेलों की शुरुआत में जहां महिलाओं को आने

की इजाज़त तक नहीं दी गई थी, इस साल हुए टोक्यो ओलंपिक से 49 प्रतिशत महिला खिलाडियों ने भाग लिया। उन्होंने आरती शाह, कर्णम मल्लेश्वरी, पी.वी. सिंधु जैसी विभिन्न महिला खिलाडियों के जीवन पर बात की। दीपा मालिक का विशेष तौर पर ज़िक्र करते हुए बताया कि दिव्यांग खिलाड़ियों के प्रोत्साहन में आज बहुत सारे कदम उठाए जा रहे हैं। ऐसे में महिला पैरा-ओलंपियंस के लिए भी काफी अवसर मौजूद है। अंत में उन्होंने विद्यार्थियों के प्रश्नों का उत्तर दिया। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने बताया कि वो स्वयं एक प्रशिक्षक के रूप में विशेष तौर पर दिव्यांग तैराकों को आगे लाने में प्रयासरत हैं।

यह वेबिनार 2 घंटे तक चला, जिसमें देश भर के महाविद्यालयों से विद्यार्थी आए। कार्यक्रम का संचालन राम लाल आनंद महाविद्यालय की छात्राओं - चेतना काला (बीए हिंदी पत्रकारिता, तृतीय वर्ष) और खुशी गेलेरा (बीएससी स्टैटिस्टिक, द्वितीय वर्ष) ने किया। वेबिनार के अंत में पेपर प्रेजेंटेशन के परिणाम की घोषणा हुई जिसमें पहला स्थान मिला राम लाल आनंद महाविद्यालय के विकास त्रिपाठी, को, दूसरे स्थान पर रहीं महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय की वैशाली सक्सेना और तीसरे स्थान पर श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के नितेश गोयल आए।इस प्रतियोगिता में खालसा कॉलेज की छात्रा सन्या चंद्र ने प्रोत्साहन पुरस्कार एवं रामलाल आनंद महाविद्यालय की अंशिका और क्राइस्ट यूनिवर्सिटी बैंगलोर के श्लोक टोटला ने विशेष सराहना प्राप्त की। अंत में कॉलेज की लैंगिक संवेदीकरण समिति 'अस्मि' और कार्यक्रम की संयोजक डॉ. श्रुति आनंद ने पारंपरिक लैंगिक भूमिकाओं और चुनौतियों से ऊपर उठ कर समाज मे बदलाव लाने और अपने काम से अपनी पहचान बनाने वाली डॉ मीनाक्षी पहुजा और सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में समिति की सह-संयोजक सुश्री दीपशिखा कुमारी, शिक्षक सदस्य- डॉ. ऋतु वत्स, सुश्री मिशा सबरीन, श्री कुलदीप सिंह, शिक्षक वर्ग सहित कई छात्र मौजूद रहे।